

## पद ३३९

(राग: झिंजोटी – ताल: दादरा)

मुश्किलकु पार करो मेरे मुर्तजा अली । लेते ही नाम तुम्हारा आयी  
सो बला टली ॥ध्रु.॥ मानिकके बाली हो तुम दो जहां के बीच  
सग है तुम्हारे दरका । फिरता है गली गली ॥१॥